A-2051

SANSKRIT: POETRY ,PROSODY , GRAMMAR AND TRANSLATION-B(i) SEMESTER -II

TIME :3 HOURS **M:M: 75**

4332/MH

(प्रथम भाग)

1. किन्हीं दो श्लोकों की सप्रसंग अनुवाद और व्याख्या लिखें- 15

(क) दुर्जनः परिहर्तव्यो विद्ययाऽलङ्कृतोऽपि सन्।
मणिना भूषितः सर्पः किमसौ न भयङ्करः।।

(ख) श्रौत्रं श्रुतेनैव न कुण्डलेन, दानेन पाणिर्न तु कङ्कणेन।
विभाति कायः करुणापराणां, परोपकारैर्न तु चन्दनेन।।

(ग) आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपुः।
नास्त्युद्यमसमो बन्धुः कुर्वाणो नावसीदति ।

(घ) पापान्निवारयति योजयते हिताय, गुह्यं निगूहति गुणान् प्रकटीकरोति।
आपद्गतं च न जहाति ददाति काले, सन्मित्रलक्षणमिदं निगदन्ति सन्तः।।

2. किन्हीं तीन छन्दों के लक्षण व उदाहरण लिख कर उनका समन्वय करें- 15
आर्या, उपेन्द्रवज्रा, वसन्ततिलका, वंशस्थ, प्रहर्षिणी, शिखरणी।

(द्वितीय भाग)

3. किन्हीं दो रूपों के सभी विभक्तियों में रूप लिखें- 10
पति, महत्, नदी, तत् (पुंल्लिंग)।

4. किन्हीं दो धातुओं के रूप लिखें- 10
वद् (लट् लकार), गम् (लोट् लकार), दृश् (लृट् लकार), पच् (लङ् लकार)।

5. किन्हीं पाँच वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करें- 05

(क) वह गाँव जाता है।
(ख) वे दोनो पढते हैं।
(ग) पेड़ से पत्ते गिरते हैं।
(घ) वह गीता पढता है।
(ङ) यह मेरी पुस्तक है।
(च) राम दौडता है।
(छ) शोर मत करो।
(ज) राम और श्याम जा रहे हैं।
(झ) मैं गुरु को प्रणाम करता हूँ।
(ञ) वहाँ मत जाओ।

(तृतीय भाग)

6. निम्नलिखित प्रश्नो के अतिसंक्षिप्त उत्तर लिखें- 10X2=20

(क) **दुर्जनः परिहर्तव्यो, विद्ययाऽलङ्कृतोऽपि सन्** में कौन सा छन्द है।
(ख) **स्याद्** ..... **यदि तौ जगौ गः** में रिक्त स्थान की पूर्ति करें।
(ग) **चोरयिष्यति** में लकार, पुरुष व वचन बतायें।
(घ) **श्रीमताम्** में विभक्ति व वचन बतायें।
(ङ) **रामेभ्यः** रूप किस किस विभक्ति में बनता है।
(च) युष्मद् का षष्ठी- बहुवचन लिखें।
(छ) पचानि, पचाव, पचाम में लकार बताएँ।
(ज) **ननमययुतेयम्** ..... किस छन्द का लक्षण है।
(झ) **अभवत्** में लकार, पुरुष व वचन बतायें।
(ञ) **लतायै** में विभक्ति व वचन बताएँ।